भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 503
बुधवार, 06 दिसंबर, 2023 को उत्तर देने के लिए

आईएनएसपीएसीई

503. डॉ. सुजय विखे पाटील:
डॉ. हिना विजयकुमार गावीत:
प्रो. रीता बहुगुणा जोशी:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
श्री कृष्णपालसिंह यादव:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति में यथानिर्धारित व्यापक विनियामक ढांचा संबंधी नीति तैयार करने के लिए आईएनएसपीएसीई (इनस्पेस) की अनुमानित समय-सीमा क्या है;

(ख) राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति, 2023 में यथा निर्धारित, इसरो के अपनी वर्तमान पद्धतियों से ट्रांजिशन की समय-सीमा और कार्यनीति क्या है और यह ट्रांजिशन भारतीय अंतरिक्ष उद्योग को किस प्रकार प्रभावित करेगा;

(ग) क्या सरकार ने इस बात पर विचार किया है कि विनियामक ढांचे के निर्माण और इसरो के ट्रांजिशन में होने वाले किसी भी विलंब से राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति, 2023 के प्रभावी कार्यान्वयन पर प्रभाव पड़ने की संभावना है;

(घ) यदि हां, तो संभावित विफलताओं से निपटने के लिए किस प्रकार की आकस्मिक योजनाएं बनाई गई हैं; और

(ङ) क्या सरकार राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति, 2023 के बेहतर कार्यान्वयन के लिए आईएनएसपीएसीई को सांविधिक दर्जा देने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) भारतीय अंतरिक्ष नीति-2023 के जारी होने के साथ, इन-स्पेस के माध्यम से अंतरिक्ष क्षेत्र में गैर-सरकारी कंपनियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए एक व्यापक विनियामक ढांचा पहले ही तैयार किया जा चुका है। इसके अलावा, भारतीय अंतरिक्ष नीति

...2/-

-2023 के कार्यान्वयन के लिए विस्तृत निदेश तैयार किए जा रहे हैं जो हितधारकों को नीति की व्याख्या करने और उसे अधिक विस्तार देने में सक्षम बनाएंगे।

(ख) भारतीय अंतरिक्ष नीति-2023 में निर्धारित इसरो की वर्तमान पद्धति से ट्रांजिशन को प्रचालनात्मक अंतरिक्ष प्रणालियों के विनिर्माण में भारतीय उद्योगों की भूमिका बढ़ाने और उन्हें परिपक्व अंतरिक्ष प्रणालियों का वाणिज्यिक दोहन करने में सक्षम बनाने के संदर्भ में अभिकल्पित किया गया है। इसके अलावा, इसरो राष्ट्रीय विशेषाधिकारों को पूरा करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी में अनुसंधान एवं विकास, नवीनतर प्रणालियों को प्रमाणित करने और अंतरिक्ष संबंधी सामग्रियों को साकार करने पर पर ध्यान केंद्रित करेगा।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को व्यापक बनाने, उद्योग की भागीदारी बढ़ाने और इसरो से निजी क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों के पारगमन को संभव बनाने के लिए उपर्युक्त बदलाव की परिकल्पना की गई है।

(ग) सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष नीति-2023 के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में पहले से ही ठोस कदम उठाए हैं। गैर-सरकारी कंपनियों द्वारा अंतरिक्ष गतिविधियों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में आद्योपांत भागीदारी के प्रावधान के साथ-साथ अंतरिक्ष विभाग, इसरो, एनसिल और इन-स्पेस जैसे विभिन्न हितधारकों की स्पष्ट भूमिकाओं के साथ अंतरिक्ष परितंत्र विशेष रूप से निजी क्षेत्र में विस्तार के संकेत दर्शा रहा है।

इस संबंध में कुछ हालिया घटनाक्रम नीचे दिए गए हैं:

- एनसिल ने निम्न भू कक्षा में वनवेब के 72 उपग्रहों को क्रमशः एलवीएम3 एम3 और एम3 मिशनों के माध्यम से प्रक्षेपित करने के अपने अनुबंध का सफलतापूर्वक निष्पादन किया।
- मैसर्स स्काइरूट एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा एक उप-कक्षीय प्रक्षेपण रॉकेट विक्रम-एस (प्रारंभ मिशन) का प्रक्षेपण नवंबर, 2022 में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- मैसर्स अग्निकुल कॉस्मोस प्राइवेट लिमिटेड लि., चेन्नई द्वारा एसडीएससी-शार स्थित इसरो परिसर में प्रथम निजी प्रक्षेपण पैड और मिशन नियंत्रण केंद्र स्थापित किया गया।
- इन-स्पेस द्वारा इस योजना के तहत रु. 1 करोड़ तक के अनुदान के माध्यम से शुरूआती-चरण वाले भारतीय अंतरिक्ष स्टार्ट-अप को आरंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए इन-स्पेस बीज निधि योजना की शुरूआत की गई। इस योजना के तहत, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग से कृषि क्षेत्र में अवसर की

प्रथम घोषणा अप्रैल, 2023 में की गई।

- अगस्त 2023 में, चंद्रयान-3 लैंडर *विक्रम* के चंद्रमा पर सफलतापूर्वक मृदु अवतरण के रूप में इसरो ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। इसके बाद, रोवर *प्रज्ञान* ने चंद्र सतह पर चहल-कदमी की।
- सितंबर 2023 में, इसरो ने प्रथम भारतीय सौर वेधशाला - आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण किया।
- अक्तूबर 2023 में, इसरो ने कर्मीदल बचाव प्रणाली (सीईएस) के उड़ान-मध्य पातन प्रदर्शन के साथ परीक्षण यान (टीवी-डी1) की प्रथम विकासात्मक उड़ान पूरी की। भारतीय नौसेना की सहायता से टीवी-डी1 कर्मीदल मॉड्यूल की समुद्र से सुरक्षित पुनर्प्राप्ति की गई और इसे आईएसआईटीई, बेंगलूरु वापस ले जाया गया।

(घ) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता है।

(ङ) अंतरिक्ष विभाग, इसरो, इन-स्पेस और एनसिल जैसे सभी हितधारकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को भारतीय अंतरिक्ष नीति-2023 स्पष्ट रूप से परिभाषित करती है।

***